

स्वरयवाहिरतिष्ठस्वन्धरुनरयचरयदरुगर्भरविष्णुयस्वविष्णु  
 विनायकानामलागनपतिजिविनाम्भकाताय दूं दूं दूं दूं ३ सां साहा ॥ ॥  
 लान्ननिवलिविया ॥ ॐ जूकातामूरयसर्वधर्माः मायनत्यनयत्वा ॥ ॐ आः दूं  
 दूं साहा ॥ ॐ महाकाताय साहा ॥ ॐ महाकालिय साहा ॥ ॐ हानिनिमहाय  
 शाल्यरुनरसर्वमाय जी साहा ॥ ॐ जूगपितृः साहा ॥ ॐ काकपितृः साहा











ननपी० छुआरुः। ऊ० षूः मन्ना ० म० शीनरु मिषूः डप मूक षूः वान षूः यव सकि म  
 सानयः। जानु कायै मू मन्विल्लः दय वन गथा विन वित्र ० शनि ह्वि वज कि ० ता  
 जक स रू ना ० ति यी न यान मिः यू आखीः मा म्मान स य नि गुरुः य नि गुरु कु मा  
 नाथः। ऊर्म रु सन य स्य कं॥ ॥ जून कू र्ध कू म र्छाः नाः लं दि यं पा द यी ० श्रु  
 आस सा नः मरुं या सा ह व यः व ऊ या गीः ह ऊ हा ऊ त था य यः त ऊ वा वा च र या

|                                                                                  |                     |
|----------------------------------------------------------------------------------|---------------------|
| यनः यूम न्प्रसा द मिनिनः य नि रू ऊ प्र सि द न ०                                  | ॥ कि व न न कं॥ का   |
| लयः सै ल न॥ व लि द्वा य॥ न अ न व त्र ऊ य म नं ०॥                                 | ॥ गी न च लु घा सान  |
| थ जू र्ध हा ठ का य क॥ फ र्ल द्वा च क॥ ला हान सि य॥                               | ॥ न सि य म नं ० ० ० |
| स नि मि त्रा वा न॥ च्वा य वा न य॥ न अ न व र्त्त न य॥                             | ॥ थ न गुरु म लु ल   |
| चि हा स या य॥ धू मा ग नि द गुरु त्रि या य॥ गी न धू मी ग नि॥ मूल य जा याः क न न क |                     |



सहायता कर्तुः कर्तुः स्वसहायता कर्तुः भावसिद्धिः मनविद्यः ॥ सातजनः ॥  
 विष्णुः अफलायः अर्थलागुनिः दीप्तावर्कः उभयवर्कः द्रुपायासरी ॥  
 थनवयवर्कः ॥ नासलाकाया ॥ दवस्तु सानकाकाया ॥ थनसावर्कविद्यः ॥  
 गीतमालकाः मन्वयः यातसहितः ॥ थनजजमाः मस्तुलथलकः ॥  
 गीतद्विविदि ॥ दीपदानः मुखसूया ॥ यानगथा ॥ दसपनिनयः नारीकाया ॥  
 ल१

साकाशविधिः समाक ॥ ६०३ ॥ हुँ नमः श्रीवज्रसलाया ॥ हुँ नमः  
 श्रीमद्वज्रसलवज्रवचननमः नायत्यादि ॥ हुँ सविशयागाम्बनयादयंकजः  
 यनामयागाम्बनवपि ॥ सधुः कृष्णवस्तुलध्वनः नमोमीमिसिद्धी  
 वयः वृद्धिधया ॥ हुँ नमः ॥ हुँ सहावस्तुधासध्वमीः सहावस्तुधाद ॥ त्रिक  
 लनकादी ॥ कानययजिर्काययनयन ॥ हुँ काननवर्ज ॥ हुँ नमः

धर्मगानिद्वय



ॐ आः जिह्वा सर्वं निरुद्धं ॥ सर्वसत्त्वधनं हनना धूमार्गांति एतावन्निमास्मान्  
 तावथ ॥ ॥ गदनूकत्रयं साधनः दजितरुक्ते आकाशतलसूर्यमल्लली ॥  
 जः सृंगुतिनर्कनी ॥ यं ॥ मधुमा ॥ हूं ॥ जूगु ॥ जूं ॥ जूनामिका ॥ ॥ वाम  
 रुक्ते आकाशतलचन्द्रमल्लली ॥ सूं ॥ हूं ॥ सूं ॥ वामावर्तजू ॥ हूं ॥ स्वायाफताः वर्तुसं  
 स्वाधिसूना ॥ ॥ ॐ यागमन्त्रं ॥ ॐ जिह्वा वारुलिर ॥ हूं ॥ ॐ हूं सर्वविद्याया

॥ नमो भगवते ॥

ॐ सूर्यसिद्धि साहासं व

ॐ श्री साहाय्य ॥

ॐ जू ४ साहाय्य ॥

ॐ हूं साहाय्य ॥



ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥

ॐ ह्रीं साहाय्यं दिय ॥  
मन्त्रो वि सुन ॥

ॐ पूनः पितृणां पुत्रानां वधूनां ॥ श्रीः कालः  
समस्तं जगत् ॥ श्रीः माता ॥ श्रीः पितृणां ॥ श्रीः  
वज्रवज्र ॥ ॥ नमो पूनः साहाय्यं दिय ॥  
द्विपुत्रं पश्यन् ॥ पूनः ह्रीं साहाय्यं दिय ॥  
सर्वज्ञः कामिनिः सर्वज्ञः ॥ धनीगुणवति  
काष्ठव्यतीः सर्वद्वयं व्यापिनी ॥ धन्यं ॥ ॐ



अमृतसंप्रवाणयदुं साक्षात् ज्ञान्यास ॥ ॐ अ० ॥ ॐ ॥ म० ॥ ॐ ॥  
सि नहि ॥ ॐ ॥ चक्रधर्या ॥ य ॥ क ॥ सु ॥ नासा ॥ स्म ॥ फ ॥ ॐ ॥ वा ॥ ध ॥ य ॥ य ॥  
दय ॥ की ॥ नाही ॥ ॐ वज्रचिह्न ॥ दय ॥ ॐ वज्रवाक्य ॥ जि ॥ ॐ ॥ ॐ  
वज्रकाय ॥ ज ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥  
मानं मत ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥  
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

अथ कशीकफातमातावलम्विनीः दुष्टाकलालवदनीः सितपूत्रावलीविनी  
शीलसिनवल्लभमवल्लुनीनगाः अष्टयसहजाः शानुर्वरुणाहिरयनमूहि  
धर्मागमतीरगावकिशवयू ॥ ॐ अ० कषिनी ॥ ॥ अ० कषनमूड  
कतयू ॥







ॐ हः साः प्रो स्वाहा ॥

ॐ धिं घं स्वाहा ॥

ॐ फू नू फू नू स्वाहा ॥

ॐ वल गिर स्वाहा ॥

ॐ आ गं व न हू ॥

ॐ आ ग म न्नि र्थ स्वाहा



मृत्तियदप॥ ॥ उं नमस्तु यागं धियतिः सत्वभावकः नमस्तु ससा नालूव  
 मारुचुदकः नमस्तु सधामकः यकशावकं नमस्तुः नत्वकनमामिरुं सदा  
 ॥ नक्रयना ॥ उं यचुचुशदिः जूधमनदिः सशावतमैत्रुवक्रानकनक्रन  
 वल्लुनः श्रकसदावगजुगुमकाग्रमृकविवर्जुयनमामि उं नत्वककय  
 ॥ जूथवा ॥ ॥ उं ससा ॥ ॥ उं ससा ॥ ॥ उं ससा ॥ ॥ उं ससा ॥ ॥ उं ससा ॥ ॥

श्रुः कर्षना ॥ ससा ॥ उं यूं ससा ॥ उं यूं ससा ॥ उं यूं ससा ॥ उं यूं ससा ॥ ॥  
 थनफलरववलिमालमचक्रुनय ॥ ॥ उं नत्रः  
 कर्वकायत्रिः सधहृदयः सधमनलसुः धूमामात्रि  
 शगवनिमदूतिकाशवतु ॥ ॥ जूकर्वना ॥ ॥  
 या उं आद्यमन ॥ ययन्यास ॥ यं लः धं मृ ॥



पूर्ववशावलिसाला ॥ ॥ ॐ ह्रिविसूधधर्मजुआःजुआसाहा ॥ ॐ ह्रिविर  
रुविरमहारुविररुहृहृहृहृसाहा ॥ ॥ ॐ लूकरनै। वलविरमहाव  
लुतिःसिद्धिमूरयग्नः ॥ नवाहिनीः प्रनमूषचलुकालालिः नृधिनयिथस  
मयात्रिजिनयागवत्रिकिलिकि। ०लीः नावपितृवनमधः हृंजरहृजरजिग  
हृरसरुगनदूनः धूमीगात्रिचलुकालालिः निष्कृमीकनूरहृगृद्रसरसधद

मानः ॥ ॐ हृरुनरदरुयवररुहृहृहृहृसाहा ॥ ॥ ॐ हृमूडायादाव  
महृ ॥ ॐ हृसतिजाकासः ॥ हृलानविद्यपीलडा ॥ ॥ ॐ ह्रिलिररुविर  
महारु। ललिः ॥ हृहृ हृहृ हृहृ हृहृ साहा ॥ ॥ हृलानयूधगर्मा। आवमनादि ॥ यंवा  
यचानयूजा। ला ॥ हृ ॥ ॐ हृलुवोदन ॥ मृति ॥ मकूनपीला ॥ कृष्यननं मृति  
॥ ॐ हृनसीनमकृ ॥ हृकिनतिः ॥ मनिहासूत्रचनलयूधः ॥ गमदुसूनिवरूपि















ॐ नमः श्रीं वज्रसत्वाय ॥ ॐ नमः श्रीं सूर्याय नमः  
न ॥ क्रायां सतिदानवियः नाजाः माहानया ननयगुः  
माह १ दं ४ विय ॥ ग्वस्तिया न माह १ दं ४ विय ॥  
थलिधूनकाडाः कान्छायः कात्रः चिकनः वृयकैः स  
नानयाकैः सतिदानं क्राया नधनमदनकैः पूजार्त



२  
न जायय के ॥ गुरु मधु नद न के ॥ शक पात्र वनी वि य ॥  
वि स जन यान के ॥ दा द स सूर्य पूजा या व के ॥ ह्या द  
वि न ॥ ह्या द ज ज म ॥ ह्या द खान ॥ ह्या द ज ज का पू १२  
ह्या द खान शत्र १२ नि व न पू १२ ह्या द ०० नान या  
न १२ मन वि य के ॥ अद्य या व के ॥ अद्य मा हा दा

३  
न ॥ वा के या य ॥ थन वार वन के म स नि व स्त या य ॥  
१० न मा रा ग वानू वा च ॥ ॐ रु रि व ता रु व न ॥ महा म लुः  
त्र ॥ महा वे श व न स्ति न ॥ ॥ श्री ज् मि ता रु व म लु न स न  
स्ति न ॥ शायू गी ॥ च न थू गु लि ॥ वा द्वा या य धू न ना ध के  
रु रि व ता रु व न स वि श्वा क क ॥ ज् मि ता रु व न थ ग न



नः आस्तादयकस्य विज्ञानं ॥ शोपूजी थूगु वांछु याना  
यापून्यनः अमृत शोगरा नाडाः स्वर्क सवास शनधक  
अमृतीतवन था गगन आस्तादयकनं ॥ १ ॥ शोपूजी  
छन थूगुलिवा च्छु या यधून नाधकैः दुखिता रुवनस  
महाः वेनाचनन आस्तादयकनं छन अमिताः रुवम

लसडा नाडाः छन अमृत शोगरा नाडाः स्वर्क वास श  
नधकैः वेनाचननः आस्तादयकनं ॥ २ ॥ श्री विः  
पद्मी मलुलः अमिताः रुवन था गगन स्वर्क नकुत्रि समूः  
धिनं ॥ ॥ शोपूत्रि छन थूगुत्रि वांछु यान नाडाः अमि  
ता रुवन था गगनयाः जगत् विपद्मी तथा गगनयाः म्हाः



वश्याडाः जर्मकात्र अनिधकं विषयी न भग्न न ज्ञाः  
आदयकर्त॥ ॥ जग्न नार्थः महानार्थः कायवाकवि

हमिगुदानः श्रीजीवाधनपनिपदार्थ॥ ॥ लोपूः  
छिन्नः पूगुत्रिः लालपाः निम्नीतिनः पूगुलि यापूनाः  
न जग्न न सानयाः मा मश्याडाः गडाधनकूलसज

मश्रुतं॥ थडासलिलिनः मिगुदानया नायापून्यन॥  
पानवनि श्याडाः जीवाधनपनिपदार्थ्याडाः  
जर्मकात्र अनिडा॥ ॥ नात्रिः नात्रिमहाजर्मः स्वतः  
गवाशकृत् परः सर्वजर्महिठपूनाः कृत् पूगुसदारुवा  
ह॥ ॥ लोपू छिन्नः पूगुत्रियाः पूगुमापूनाडानः मिश्राश



याऽऽर्जुनः कायः सुमात्रिऽधर्कः स्वर्गवासा निऽऽर्जुनः  
स्वावगतिः सऽर्जुनः कायऽऽर्जुनः मिनास्वर्गवासा गमयाः नात्र  
इत्याऽऽर्जुनः दयऽऽर्जुनः ॥ कायः वाचा मनसा सुधिषाः  
यमात्रा सनाधर्कः पूरुषः प्रसाः नाहात्रा सिस्वर्गवासा यत्न  
मः ॥ ॥ शपूति च नऽर्जुनः त्रिकायः तानः पानः धृष्टि

पूनाः सलित्रनऽर्जुनः पापः पूरुषः कायः नाहात्र  
पापः रुनाः सलित्रनऽर्जुनः पापः पूरुषः कायः नाहात्र  
इत्याऽऽर्जुनः दयऽऽर्जुनः ॥ कायः वाचा मनसा सुधिषाः  
यमात्रा सनाधर्कः पूरुषः प्रसाः नाहात्रा सिस्वर्गवासा यत्न  
मः ॥ ॥ शपूति च नऽर्जुनः त्रिकायः तानः पानः धृष्टि



१०  
अग्नि सदा सा त्रया या पू न न वे कू थ वा स श न ग थ ध  
व सा जा त र न दे न डाय नि षु दान थ व स त्रि त्रः स ति ड  
न थ या पू न न दु थ ज म स या ना या प स म रू ड ॥  
थ न त्रि वे कू थ वा स श न थ न लि स नि द वि श या ड  
स्व ग वा स श न ॥ ॥ स मा दि म हि जा म्यः मा या च क प

११  
त्र व र ॥ ॥ सा पू णि च न थ गु त्रि च न सा त्र या नि मि  
ति नः म हा प त्रा वि न न पू नः ग थ ध त्र सा थ ड स वा न  
द डाय नि क प त न त्रा ना श त्रा ॥ ॥ स रु म जन वे ध  
०० न ना न मि न क य जन पू ण जन वि मा ना पि ना द द  
हि म्य न ॥ ॥ सा पू णि थ गु त्रि या पु त्रा वि न न मा क्र म



दनैः गथ्य बलसा, सकलैराकरो योऽहर्न्वः ॐ ह्रु मृ  
 नः नोत्र लभानः ह नो कायस्काच माम् ववूरो यः  
 का, देहं चिं न या नाडाः थ मं इ का वाच यानाडाः डान्यः  
 राः थ या पत्रा विन न, मा क्रु म द नैः सत्रा य न क नै ॥ ॥  
 रगवान्वाच, पूरु खन त्र स मि हानः ह मि ॐ च न न ग

न ॥ ॥ शो पत्र म ध्व त्र जि मि सा ह्म न च्चु त्र पा ल सौ मि  
 स्वर्ग नि च्छा य मा त्र च्चु त्र पा त्र स्य न जि स्रु ग मि स थ का ल्य  
 विष्णाय मा त्र ॥ ॥ शो पत्रिः अ प्रानि जि स्रु ग मि वा स  
 जन जन अ व स्य त् प द नै स नैः शो शो पत्रि मू मा त्र च्चु न ॥  
 ज्ञा ॐ त्रान् कि सि या प त्रान स स्रु व कृ या वि मान स थ



नाडा वेकं थसः स्वर्गवास इतं ॥ ॥ शानात्रीः स्वामिनः  
 पत्न्या स्वामिरुक्कानूवात्रिलीः सहगमि स्वयं मत्वा ससां  
 हं प्रान गवान् ॥ ॥ ग्वक्कमि साजननं स्वामिनः प्रान ना  
 वडुसायाडाः स्वामिडाः प्रीति स्वामिरुक्किनः स्वामिडाः सै स  
 गिनः पूरुखडा नापै सतिडा नाडा थडा प्राद नात्र न धकं

पूरुषासै सगडानं ॥ ॥ नृक विरु सप्त्याद्यः स्वामि  
 नाममनू सत्रनः गच्छति येक विरु नः स्वामि सहा नूगम मि  
 नि ॥ ॥ ॥ थूगुलि विरु जायत्रयाडाः स्वामि सै हानूगम  
 यानामकायाडा नृक विरु नः स्वामिडा सै सगिनः सतिडा  
 नी ॥ ॥ अनूवजति रु रू रूः गहात्पि रु वनं मूदाः पद ६४



१५ मधस्यः रु ल षा प्रा नि नी ल षा ॥ ॥ ग्व क मि सा ड न नी ल  
मि आ ना प यो द ना न न ध क थ ड अ न ना ड पि रु लो  
क स प न ला क ड न ध क स ति ड न ॥ ॥ ध स ति ड न ध  
क दा स्य ड ना या रु ल नः प ना क न का नः प ना प तिः ७  
६ ध म ध ज रु या ना यौ ड नि रु ल ना क रु ना प ना न का

१० य निः स र व रु ल प १ दान या ना रु त ला क थ थि गु पु न  
सि या ड रु ना स म चा स धी ड या ना ड प न म ध व न या  
ना म का या ड न क चि रु या ना ड स तिः स र ग स ड  
नी ॥ ३ ॥ ॥ स्नान कि न न्य ॥ गु त्र पू जा द १ २ द  
क्रि षाः ७ श्री स र्ज द ड या नः ग्व य ग्व १ २ क स ति ग्व १



वाखनकनकगुलाशयानभाह १ दक्षिणकायई  
अथयार्द १२ दक्षिण ॥ अक्षिरविविय ॥ अमापनः ॥  
विमज्जनयावक ॥ विपनधियक ॥ कलखअयकन  
धाय ॥ कानयनेः सादानविय ॥ त्रुसिधनकेः धूमि  
सतिआयाः वाखनकनगुल ४॥ ॐ ॥ ॥

गुरुसंनन ७० मि वेरुगुक्रयादसमी वनसिखय  
काशुल ॥ यमसू लिः समकरुडनवायाडाः नाऊपनिः  
यानविया ४॥ ४॥ गुरुसंगरुवस्तु सर्वदाकारः  
ॐ ॥ ॥ ॥